

बाँस पुं. (तद्.) 1. तृण जाति का, एक प्रकार का लंबा सीधा वृक्ष जो वनों और पहाड़ी भूमि में अधिक होता है और जो कागज बनाने, छप्पर छाने तथा टोकरियाँ आदि बनाने में काम आता है 2. भूमि या दूरी की एक माप जो लगभग सवा तीन गज के बराबर होती है, लांठा 3. नाव खेने की लग्गी 4. पीठ के बीच की हड्डी, रीढ़ 5. बल्लम, भाला, बछ्छा, बछ्छी।

बाँस-पूर पुं. (देश.) एक प्रकार का महीन कपड़ा, महीन मलमल जिसका पूरा थान बाँस की एक पोर में समा जाता हो।

बाँसुरी स्त्री. (देश.) पतलेबाँस का बना हुआ प्रसिद्ध लोकप्रिय बाजा जो मुँह से फूँककर बजाया जाता है, वंशी, मुरली।

बाँह स्त्री. (तद्.) 1. भुजा, हाथ, कंधे से कलाई तक का भाग, कंधे से हथेली तक का अंग 2. बल, शक्ति, सहायक, भरोसा, आसरा, सहारा, शरण 3. एक प्रकार की कसरत 4. कुरते, कोट की वह आस्तीन जो बाँह पर पहनी जाती है।

बा पुं. (तद्.) जल, पानी स्त्री. (फा.) बार, दफा, स्त्रियों के लिए एक संबोधन, विशेष रूप से दादी आदि के लिए।

बाइबिल स्त्री. (अं.) यहूदियों और ईसाईयों की धर्मपुस्तक।

बाइ स्त्री. (तद्.) 1. वापी 2. छोटा तालाब, बावड़ी 3. वायु, हवा।

बाई स्त्री. (तद्.) 1. आयुर्वेद में वात नामक दोष, वात स्त्री. (देश.) स्त्रियों के लिए एक आदर सूचक शब्द, माता, माँ 2. वेश्याओं के नाम के साथ लगाया जाने वाला शब्द, वेश्याओं के लिए प्रयुक्त शब्द।

बाईस पुं. (तद्.) बीस और दो का जोड़, 22 वि. (तद्.) जो बीस और दो हो।

बाउर वि. (तद्.) 1. थतुल 2. बावला, बौरा 3. सीधा-सादा 4. गंगा 5. मूर्ख 6. अज्ञानी 7. खराब, बुरा।

बाउल पुं. (तद्.) व्याकुल, बंगाली वैष्णवों का संप्रदाय, उक्त संप्रदाय का अनुयायी।

बाएँ क्रि.वि. (तद्.) 1. बायाँ, वाम या बाएं हाथ की दिशा में 2. दाहिने का उल्टा, बाई ओर 3. विरुद्ध, प्रतिकूल, अप्रसन्न, असंतुष्ट।

बाकी वि. (अर.) जो बचा हुआ हो, शेष, अवशिष्ट, जो सदा बना रहे, अपूर्ण, अधूरा, जिसका लेन-देन शेष हो, पुं. (अर.) 1. वह धन-राशि जो वसूल की जानी हो 2. किसी अवधि का शेष अंश 3. मौजूद, विद्यमान 4. देय, न चुकाया हुआ गणि. घटाने पर प्राप्त शेष संख्या आदि, व्यवकलन क्रि.वि. परंतु, लेकिन, मगर।

बाखरी स्त्री. (देश.) बाखरि, बखरी, घर, अटारी।

बाग स्त्री. (तद्.) 1. घोड़े की लगाम 2. वाणी 3. बाग, उद्यान, बगीचा, बाड़ी, उपवन, वाटिका।

बागड़ पुं. (देश.) बाँगड़ दे. बाँगड़।

बागडोर स्त्री. (देश.) वह रस्सी जो घोड़े की लगाम में बाँधी जाती है और जिसे पकड़ कर साईस घोड़े को टहलाते हैं, लगाम, किसी संस्था आदि का प्रबंध और उत्तरादित्व, नियंत्रण।

बाग-बाग वि. (फा.) अति आनंदित, बहुत खुश।

बागर पुं. (देश.) 1. नदी के किनारे की ऊँची भूमि जहाँ उसकी बाढ़ का पानी न पहुँच पाता हो, मरुभूमि, रेगिस्तान 2. पक्षियों और छोटे वन-पशुओं को फँसाने का जाल, फंदा, रस्सी, बंधन, वागुर, वागुरा।

बागवान पुं. (फा.) (बाग का) माली।

बागवानी स्त्री. (फा.) बगीचों में पेड़-पौधे लगाने और उनकी देखरेख करने की विद्या या कला, काम या पदवी।

बागा पुं. (देश.) अँगरखे की तरह का एक वस्त्र, जामा, एक पुराना लंबा पहनावा।

बागान पुं. (फा.) स्वयं उगाए हुए विशिष्ट प्रकार के वृक्षों या पौधों का क्षेत्र, उद्यान।